रणजीत टाइम्स

इंदौर

बुधवार, 11 नवम्बर, 2026

वर्ष 02 | अंक 267 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

तीन शहरों में होंगे जनजातीय गौरव दिवस के आयोजन

● 14 नवंबर को जबलपुर से शुरुआत, खंडवा में समापन ● धार में 2500 करोड़ की सिंचाई परियोजना का लोकार्पण



भोपाल। भोपाल में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती यानी जनजातीय गौरव दिवस पर मध्यप्रदेश में 14 से 16 नवंबर तक तीन बड़े राज्यस्तरीय आयोजन होंगे। 14 नवंबर को जबलपुर से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। 15 नवंबर को धार में मुख्य आयोजन के दौरान डही में नर्मदा जल से जुड़ी करीब 2500 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा। इससे धार और अलीराजपुर के 300 गांवों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। 16 नवंबर को खंडवा में राज्यस्तरीय कार्यक्रम के साथ तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी। इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके और भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम भी मौजूद रहे। **सीएम बोले-कांग्रेस ने आदिवासियों को सिर्फ दिवस में बांधा-** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा की मूल सोच में बड़ा अंतर है। उनके मुताबिक, कांग्रेस ने जनजातीय समाज को सिर्फ एक तारीख और आदिवासी दिवस के दायरे में सीमित रखा, जबकि भाजपा जननायकों को उनके नाम, जन्म जयंती और बलिदान दिवस के गौरव के साथ समाज के सामने ला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उल्लास तीन अलग-अलग अंचलों में मनाया जाएगा।

89 जनजातीय विकासखंडों में भी होंगे कार्यक्रम

सरकार और भाजपा संगठन मिलकर 20 नवंबर तक प्रदेशभर में कार्यक्रम करेंगे। प्रदेश के सभी 89 जनजातीय विकासखंडों के अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों और छात्रावासों में विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनके माध्यम से छात्र-छात्राओं और नई पीढ़ी को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष, पराक्रम और अंग्रेजों के खिलाफ किए गए आंदोलन की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ टंट्या मामा, राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह के बलिदान की गाथाएं भी बताई जाएंगी।

लोकसेवक 48+घंटे अगर हिरासत में तो अपने आप सस्पेंड

● सुप्रीम कोर्ट ने बिहार अस्पताल प्रशासक की जमानत बहाल की ● पटना हाईकोर्ट का फैसला पलटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है- अगर कोई सरकारी अफसर गिरफ्तार होकर 48 घंटे से ज्यादा न्यायिक हिरासत (जेल) में रहता है, तो उसे अपने आप सस्पेंड माना जाएगा। इसके लिए अलग से कोई सस्पेंशन ऑर्डर निकालने की जरूरत नहीं है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनमोहन की बेंच ने 6 नवंबर के आदेश में ये बात कही। मामला बिहार के समस्तीपुर के अस्पताल प्रशासक के रिश्वत कांड से जुड़ा था। विश्वजीत सिंह पर 36421 रुपए के बकाया वेतन को जारी करने के बदले संविदाकर्मी से 4000 रुपए रिश्वत मांगने का आरोप है। कोर्ट ने पटना हाईकोर्ट का वह आदेश रद्द कर दिया, जिसमें करीब एक साल बाद उनकी जमानत रद्द की गई थी।



पटना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी

आरोपी प्रशासक सिंह ने पटना हाईकोर्ट के 1 जुलाई के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने शिकायतकर्ता की याचिका मंजूर की थी। हाईकोर्ट ने सेशन कोर्ट से मिली रेगुलर बेल रद्द कर सिंह को हिरासत में लेने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपी के रिहा होने के करीब एक साल बाद जमानत में दखल दिया। उसके आदेश से लगता है कि सेशन कोर्ट की एक टिप्पणी का असर जमानत रद्द करने के फैसले पर पड़ा। सेशन कोर्ट ने रिश्वत की रकम को बहुत कम बताया था। मामले के रिकॉर्ड के मुताबिक इस केस में 2025 में विजिलेंस थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। यह एफआईआर भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7(ए) के तहत दर्ज हुई थी। आरोप के समय सिंह समस्तीपुर के सरकारी सदर अस्पताल में प्रशासक थे।

जमानत रद्द करने पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हाईकोर्ट इस पर टिप्पणी कर सकता था, लेकिन जमानत रद्द नहीं करनी चाहिए थी। जमानत बहाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी की सेवा स्थिति और बाद की तैनाती से जुड़ी एक गंभीर बात भी उठाई। बेंच ने आदेश में कहा, 'एक गंभीर बात है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। ऐसा लगता है कि गिरफ्तारी के बाद आरोपी करीब 15 दिन न्यायिक हिरासत में रहा।' जस्टिस पारदीवाला कहा- सरकारी कर्मचारी होने के कारण सिंह को स्वत: निलंबित माना जा सकता है। हैरानी की बात है कि उन्हें दोबारा उसी अस्पताल में उसी पद पर तैनात कर दिया गया।' कोर्ट ने कहा कि राज्य को इस पहलू पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए। बेंच ने उम्मीद जताई कि राज्य इस मामले में कानून के मुताबिक जरूरी कार्रवाई करेगा।

आंध्र के डिप्टी सीएम पवन कल्याण का तीसरी बार तलाक

● रूसी मॉडल अन्ना कोनिडेला से सन 2013 में शादी की थी

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और अभिनेता पवन कल्याण तथा उनकी पत्नी अन्ना कोनिडेला ने आपसी सहमति से तलाक लिया है। शादी के 13 साल बाद दोनों ने अलग होने का फैसला किया। उपमुख्यमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, यह फैसला आपसी समझ और सम्मान के साथ लिया गया।



दोनों ने कहा कि वे अच्छे दोस्त बने रहेंगे। पवन कल्याण और अन्ना अपने बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे। बच्चों की खुशी और भलाई दोनों की साझा प्राथमिकता रहेगी। पवन कल्याण ने तीन शादियां की हैं और तीनों ही बार उनका तलाक हुआ है। तलाक के फैसले के बाद पवन कल्याण की ओर से जारी बयान में कहा गया- अपनी जिंदगी का एक बड़ा हिस्सा एक साथ बिताने के बाद हमने आपसी समझ और सम्मान के साथ अलग होने का फैसला किया है। भले ही हमारी शादी खत्म हो गई है, लेकिन हम अच्छे दोस्त बने रहेंगे और अपने प्यारे बच्चों के लिए समर्पित माता-पिता की भूमिका निभाते रहेंगे।

लंबित आवेदनों का समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित करें-जिपं सीईओ श्रीमती तिवारी

धर्मेन्द्र गुप्ता - सीएम हेल्पलाइन के लंबित आवेदनों के निराकरण पर विशेष जोर, विभागवार हुई समीक्षा विदिशा। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्रीमती सुरभि तिवारी की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में लंबित आवेदनों की विस्तृत समीक्षा बैठक संपन्न हुई बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित आवेदनों की विभागवार समीक्षा करते हुए संबंधित



अधिकारियों को सभी आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में संतुष्टिपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में वन मंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती दीपा श्री काशवानी, संबंधित अनुविभागीय अधिकारी राजस्व (एसडीएम) तथा विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी उपस्थित रहे।जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तिवारी ने समीक्षा के दौरान सीएम हेल्पलाइन, मुख्यमंत्री कार्यालय, केंद्रीय मंत्री एवं प्रभारी मंत्री कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, वरिष्ठ कार्यालयों से प्राप्त शिकायतों एवं आवेदन पत्रों की प्रगति की जानकारी ली। इसके साथ ही मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान तथा जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्राप्त एवं लंबित आवेदनों की भी विभागवार समीक्षा की गई।

नागरिकों की समस्याओं का हो रहा समाधान

कलेक्टर ने जनसुनवाई में सुनीं जनसमस्याएं

पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के दिए निर्देश

धर्मेन्द्र गुप्ता

कलेक्ट्रेट के भूतल स्थित सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने सभी आवेदकों की समस्याएं प्राथमिकता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने आवेदकों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याएं सुनीं। कलेक्टर श्री गुप्ता के साथ-साथ अन्य अधिकारियों ने भी नागरिकों से सीधा संवाद किया। कलेक्टर ने पात्र हितग्राहियों की पीएम आवास राशि दिलाने, भूमि संबंधी समस्याओं के निराकरण और बिजली, नामांतरण, सीमांकन सहित



अन्य राजस्व और योजनाओं के लाभ प्राप्ति में आ रही समस्याओं से संबंधित विभिन्न मामलों में अधिकारियों को मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश देकर समस्याओं को हल कराने के निर्देश दिए जिसके फलस्वरूप जनसुनवाई में प्राप्त आवेदनो में से अधिकांश आवेदनों का मौके पर ही निराकरण हुआ है। आज संपन्न हुई जनसुनवाई कार्यक्रम में 40 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 22 आवेदनों का मौके पर निराकरण हुआ है।

जनसुनवाई के दौरान आज अधिकारियों के समक्ष विभिन्न आवेदकों ने अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया जिनमें विदिशा के करैयाखेड़ा निवासी श्रीमती रानी अहिरवार ने पति की मृत्यु उपरांत बच्चों के भरण पोषण हेतु आर्थिक सहायता के लिए आवेदन दिया। कलेक्टर ने इस आवेदन को प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान का प्रकरण बनवाकर आवेदिका को सहायता दिलाए जाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश संबंधित विभाग को दिए हैं। इसके अलावा शमशाबाद के ग्राम पट्टन के श्री गजेंद्र सिंह यादव ने भूमि खसरे का कब्जा दिलाने और श्रीमती मीना बाई ने भी ग्राम बरवाई में उनकी भूमि का कब्जा दिलवाने हेतु आवेदन दिया।

छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ का दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज झोराघाट में:कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल सहित कई दिग्गज पहुंचे

प्रेमचंद पटेल ने कहा-कटघोरा में बनेगा अखबार वितरक संघ का भवन, 15 लाख रूपए देने की घोषणा

कोरबा। कटघोरा छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की कोरबा जिला इकाई का दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज झोराघाट में उल्लास और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल उपस्थित हुए, वहीं नगर पंचायत

छुरीकला की अध्यक्ष श्रीमती पद्

मिनी देवांगन ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मंच पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा नेता संजय शर्मा भाजपा नेता प्रीतम देवांगन, समजीत सिंह, अजय धनोदिया, श्री दुलानी, अकाश शर्मा, संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदमसिंह चंदेल विराजमान थे। माँ श्री सर्वमंगला देवी मंदिर के प्रबंधक एवं राजपुरोहित नमन पाण्डेय का विशेष स्नेह और आशीर्वाद संघ को मिला। इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि मन्नु राठौर सहित अन्य विधायक प्रतिनिधि, संस्कार टीम की अध्यक्ष श्रीमती अकांक्षा चंदेल, सीए प्रमेश चंदेल, शंकर रजक, पत्रकार शशिकांत डिक्सेना, व कई नेता, समाजसेवी, पत्रकारगण सहित छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की जिला इकाई के संरक्षक रेशमलाल साहू, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र साहू, जिला सचिव जय सिंह नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, कटघोरा इकाई अध्यक्ष कन्हैया (बबलू) यादव, भिलाई बाजार इकाई अध्यक्ष महेंद्र राठौर, उपाध्यक्ष विजय दास बिलासपुर अध्यक्ष सियाराम एवं उनकी टीम, जमनीपाली सचिव रविंदर, सह सचिव राय सिंह, जिला मीडिया प्रभारी रामायण सिंह, लक्ष्मण सिंह राजपूत , अरविंद साहू विशेषर प्रसाद साहू, रोशन दास, विनय डिक्सेन , राजकुमार पटेल, दुर्गा, मनोज, जाहित,बॉबी, विकास प्रिंस,विकास,अनिल गिरी, कृष्ण निर्मलकर, दिलीप यादव, रंजीत पटेल, विक्रम, रंजीत, दिलहरण, राकेश साहू, ,चरण दास महंत, आदित्य ,युवराज पटेल, भूपेंद्र, करण ,प्रवीण, रामचरण,विजय सहिस, शत्रुहन चौहान, हर्ष मानिकपुरी, धरम दास ,गुलशन साहू,बृजमोहन दास, सदबीर निर्मलकर, बांकी मोंगरा, ढेलवाडीह इकाई के सदस्यगण, पाली से शंकर दीवान, दिनेश श्रीवास, मातृशक्ति अखबार वितरक संघ से रतन राठौर, दीक्षा राठौर, पुष्पा साहू, रवीना साहू, उपासना साहू, रेखा साहू, ज्योत्सना साहू, धानी साहू, याचना साहू सहित सैकड़ों की संख्या में संघ के सदस्य शामिल हुए।





कटघोरा में 15 लाख की लागत से बनेगा संघ का भवन

मुख्य अतिथि प्रेमचंद पटेल ने छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की जिला इकाई की मांग पर कटघोरा में भवन के लिए 15 लाख रूपए देने की घोषणा की। श्री पटेल की घोषणा के बाद समारोह स्थल तालियों से गूंज उठा। उन्होंने दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज को सम्बोधित करते हुए कहा कि अखबार वितरण का काम किसी चुनौति से कम नहीं। बरसात हो, गर्मी हो, कड़कड़ाती ठंड हो या धूप हो या छांव, सभी परिस्थितियों में अखबार वितरक समय पर हमारे घर अखबार पहुंचाते हैं और हम चाय की चुस्की के साथ देश-दुनिया का हाल जान पाते हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अखबार पढ़ना चाहिए, इसमें समाचार के साथ-साथ ज्ञानवर्धक बातें भी हमें पढ़ने को मिलता है, जिससे हर वर्ग का ज्ञान बढ़ता है। अखबार विश्वसनीयता के साथ समाचारों का प्रकाशन करता है, जो तथ्यपरक होते हैं।

स्वादिष्ट व्यंजनों का उठाया लुत्फ, अतिथियों के स्वागत में आतिशबाजी

यहां उपस्थित अतिथिगणों एवं संघ के सदस्यों ने वनभोज का आनंद लिया और स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाया। अतिथियों के स्वागत में संघ के पदाधिकारियों ने आतिशबाजी की, जिससे अतिथिगण काफी प्रभावित हुए। कार्यक्रम को शंकर जादूगर ने अपने जादू से रोमांचित कर दिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में पदाधिकारियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन करमजीत भारद्वाज ने किया और आभार प्रदर्शन प्रेस क्लब कटघोरा के अध्यक्ष अजय धनोदिया ने किया। पत्रकार जगत का मिला सहयोग, जिला अध्यक्ष ने जताया आभार अखबार वितरक संघ के दीपावली मिलन समारोह एवं वनभोज को सफल बनाने में प्रेस क्लब कोरबा के अध्यक्ष, पूर्व अध्यक्षों सहित वरिष्ठ पत्रकारों का सहयोग रहा। जिला अध्यक्ष विपेन्द्र साहू ने सभी सहयोगकर्ताओं एवं उत्साहवर्धन करने वाले पत्रकारों का आभार जताया और धन्यवाद दिया। वनभोज एवं दीपावली मिलन समारोह में जिला पंचायत सदस्य श्रीमती सुषमा रवि रजक ने 11 हजार रूपए का विशेष सहयोग दिया। इसके अलावा समाजसेवियों ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान किया।

रणजीत टाइम्स

दीपावली- घरों में उजाला, दिलों में अंधेरा क्यों?

एक विचार, एक सवाल, एक संदेश...।

वो भी एक दीपावली थी, जो दिलों को दिलों से मिलाती थी। न दिखावे की कोई होड़ थी, न अमीरी-गरीबी की दीवार थी। एक छोटा-सा दीपक जलता था, और हर चेहरा मुस्कुराता था। आज दीपावली कुछ बदल गई है, खुशियाँ भी तस्वीरों में ढल गई हैं। किसका घर कितना चमक रहा है, किसका आँगन कितना सज रहा है। कोई अपनी गाड़ी दिखा रहा है, कोई अपना बंगला सजा रहा है। कोई महँगे कपड़ों का प्रदर्शन करता है, तो कोई अपनी दौलत का वर्णन करता है।



लेकिन ज़रा सोचो...

जिसके पास दिखाने को कुछ नहीं, क्या उसके हिस्से में दीपावली नहीं? जिसके घर में रोशनी कम है, क्या उसकी खुशियों का कोई हक़ नहीं? सोशल मीडिया पर शुभकामनाओं की भरमार है, हर तरफ़ 'हैप्पी दीपावली' का प्रचार है। पर एक सवाल दिल से पूछना है, क्या सच में सबकी खुशी में खुश होना है? जिसे देखकर मन में जलन होती है, उसी को शुभकामनाएँ भेजी जाती हैं। होंठों पर तो 'हैप्पी दीपावली' होती है, पर दिलों में कैसी भावना होती है? हैप्पी दीपावली कहना आसान है, किसी की खुशी में खुश होना महान है। दीप जलाना है तो दिल में जलाओ, किसी के अंधेरे जीवन में उजाला लाओ। घर की दीवारें तो बिजली से चमक जाएँगी, मगर दिलों की दूरियाँ कैसे मिट पाएँगी?

किसी के पास धन है, किसी के पास प्यार, किसी के पास कुछ नहीं, बस उम्मीदों का संसार। किसी को उपहार नहीं, सहारा चाहिए, किसी को मिठाई नहीं, अपनापन चाहिए। किसी का हाथ थामकर तो देखो, किसी के आँसू पोंछकर तो देखो। किसी की मुश्किल में काम आकर देखो, बिना दिखावे के दीपावली मनाकर देखो। क्योंकि दीपावली का अर्थ सिर्फ़ घरों को रोशन करना नहीं, अपने भीतर के अंधकार को मिटाना है। ईर्ष्या की जगह प्रेम जगाना है, अहंकार की जगह अपनापन लाना है। दिखावे की जगह इंसानियत सजाना है, और टूटे हुए दिलों को फिर से मिलाना है। इस दीपावली एक संकल्प करें, किसी की तरक्की देखकर न जलें। किसी की खुशी से दुखी न हों, किसी की मजबूरी पर कभी न हँसें। भले किसी को शुभकामना न दे पाएँ, लेकिन किसी के काम ज़रूर आएँ। क्योंकि शुभकामना शब्दों से नहीं, हमारे कर्मों से सच्ची होती है। एक दीप से दूसरा दीप जलता है, उजाला बाँटने से कभी कम नहीं होता। एक दिल से दूसरा दिल मिलता है, प्यार बाँटने से इंसान छोटा नहीं होता। तो आओ इस बार ऐसी दीपावली मनाएँ, जहाँ कोई छोटा, कोई बड़ा न कहलाए। न दौलत की होड़, न दिखावे का सवाल, बस हर दिल में प्रेम हो, हर चेहरे पर मुस्कान। घर में हज़ार दीप जलाने से पहले, अपने दिल में एक दीप जलाना। और अगर सच में 'हैप्पी दीपावली' चाहते हो, तो किसी और की ज़िंदगी भी हैप्पी बनाना।

कवि गोपाल गावंडे

प्रधान संपादक-दैनिक रणजीत टाइम्स

»» मेरा दीपावली संदेशः "दीपावली वह नहीं, जिसमें आपका घर सबसे ज्यादा चमके; दीपावली वह है, जिसमें आपके कारण किसी और का जीवन रोशन हो जाए।"

भव्य विदिशा साहित्य परिषद् द्वारा ब्रजभाषा के अंतिम कवि गोवर्धन लाल 'श्याम' की 147वीं जयंती संपन्न

धर्मेन्द्र गुप्ता

मान, सम्मान, अभिमान है बेटी।
सरस्वती, लक्ष्मी का वरदान है बेटी।।

सन् 1940 से साहित्य, संस्कृति और समाज सेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय विदिशा की प्राचीन संस्था "विदिशा साहित्य परिषद्" के तत्वावधान में, संस्था के प्रथम अध्यक्ष एवं रीतिकालीन ब्रजभाषा के अंतिम कवि स्वर्गीय गोवर्धन लाल 'श्याम' की 147वीं जयंती अत्यंत हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। स्थानीय श्री हरि वृद्धाश्रम में आयोजित इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ सायंकाल 7:00 बजे विचार गोष्ठी एवं काव्यपाठ के रूप में हुआ। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अखिल भारतीय स्वर्णकार महासभा एवं कवि लायन अरुण कुमार सोनी ने बताया कि कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कवि कालूराम पथिक ने की। मुख्य अतिथि के रूप में जैन कॉलेज के पूर्व हिंदी विभाग अध्यक्ष डॉ. शीलचंद पालीवाल उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथियों में बुंदेली कवि गोवर्धन राजोरिया, समीक्षक सुलखान सिंह हाड़ा और वृद्धाश्रम के संचालक वेदप्रकाश शर्मा शामिल रहे। कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ. शैलेन्द्र भावसार द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना और संगीतमय शुरुआत कार्यक्रम की शुरुआत विदिशा के प्रसिद्ध गायक प्रदीप जैन 'पारस' द्वारा प्रस्तुत सस्वर सरस्वती वंदना, स्वर्गीय 'श्याम' जी के छंदों के गायन और अपनी मनमोहक रचना पाठ से हुई।





आतिशबाजी ने इंदौर की हवा में घोला जहर, प्रदूषण में देश में दूसरे नंबर पर पहुंचा शहर

दीपावली के जश्न के बाद जहरीली हुई आबोहवा, विशेषज्ञों ने बताया खतरनाक; नगर निगम अब मिस्ट मशीनों से धूल बैठाने की करेगा कोशिश

इंदौर। दीपावली पर हुई जमकर आतिशबाजी ने शहर की हवा का दम निकाल दिया। पटाखों के धुएं और प्रदूषक कणों के चलते इंदौर की वायु गुणवत्ता बिगड़ गई और प्रदूषण के मामले में शहर देश में दूसरे नंबर पर पहुंच गया। स्वच्छता में लगातार नंबर वन रहने वाले इंदौर की हवा का यह हाल चिंताजनक है। पर्यावरण विशेषज्ञ दिलीप वाघेला ने प्रदूषण के मौजूदा स्तर को खतरनाक बताते हुए आगाह किया है कि हवा में बढ़े प्रदूषक कण लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा



बन सकते हैं। पटाखों से निकले धुएं और बारीक कणों ने वातावरण को प्रभावित किया है। इसका असर खासतौर पर बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी परेशानी से जूझ रहे लोगों पर पड़ सकता है। सवाल यह है कि स्वच्छता में देशभर में मिसाल पेश करने वाला शहर आखिर हवा की गुणवत्ता के मामले में इस स्थिति तक कैसे पहुंच गया? प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए नगर निगम अब मिस्ट मशीनों का इस्तेमाल करेगा। इन मशीनों के जरिए हवा में मौजूद धूल के कणों को पानी की महीन फुहार से नीचे बैठाने की तैयारी है। नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल के मुताबिक, मिस्ट मशीनों में पीने के पानी के बजाय ट्रीटेड वॉटर का उपयोग किया जाएगा। हालांकि, सवाल यह भी है कि जब शहर पानी की कमी से जूझ रहा है, तब मिस्ट मशीनों से प्रदूषण पर कितना प्रभावी नियंत्रण हो पाएगा। फिलहाल आतिशबाजी के बाद बिगड़ी हवा ने शहर की स्वच्छता व्यवस्था और प्रदूषण नियंत्रण के दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

आईएसबीटी से आखिर कब शुरू होगा बसों का संचालन ? ट्रायल की घोषणा हुई हवा

विभागों में तालमेल नहीं होने से मामला उलझा, तैयारी करने में एजेंसी पिछड़ी

इंदौर। शहर में बनकर तैयार खड़े अंतरराज्यीय बस टर्मिनल से बसों का संचालन कब शुरू होगा इसको लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। दरअसल पूर्णा की जिस एजेंसी को बस टर्मिनल की जिम्मेदारी दी गई है, उसकी तैयारी नहीं है। वहीं दूसरी तरफ बस ऑपरेटरों के साथ भी कुछ मामलों में सहमति नहीं बन सकी है। परिवहन विभाग जल्द ही बैठक करने जा रहा है।

ग्राम कुमेडी में करीब 100 करोड़ की लागत से डेढ़ साल से बनकर तैयार खड़ा आईएसबीटी को बसों का इंतजार है।इस टर्मिनल से 28 अक्टूबर से राजस्थान, गुजरात और दिल्ली ओर उज्जैन रूट की बसों का ट्रायल शुरू करने की घोषणा हुई थी, लेकिन इस निर्धारित तारीख पर भी बसों का संचालन शुरू नहीं हो सका है। तय तारीख पर बसों का ट्रायल शुरू नहीं होने के पीछे यह बात सामने आई है कि इंदौर विकास प्राधिकरण ने पुणे की जिस बीवीजी कंपनी को आईएसबीटी के संचालन और रखरखाव की जिम्मेदारी दी गई हैं। उसकी तैयारी नहीं हो पाई है। स्थित यह थी 28 अक्टूबर को गेट के ताले तक नहीं खुले थे। दूसरा कारण यह है कि त्यौहारों के कारण बस संचालकों की भी बसें चलाने की रुचि नहीं रही है। सूत्रों का कहना है कि केवल बस टर्मिनल तैयार होना ही पर्याप्त नहीं



है।बसों का संचालन शुरू होने में सबसे बड़ा पेंच बस ऑपरेटरों की सहमति, रूट की लंबाई, यात्रियों की पहुंच और संचालन की व्यावहारिक व्यवस्था का है। सूत्रों का कहना है कि बस ऑपरेटर अपने स्थानों से लंबी दूरी की बसों का संचालन कर रहे हैं वहां पर उनकी सभी व्यवस्थाएं है। कुमेड़ी तक बसों को पहुचाने के लिए बस संचालकों को अतिरिक्त दूरी तय करनी होगी। रिंग रोड के उपयोग पर प्रतिबंध के कारण उन्हें वैकल्पिक मार्ग से गुजरना होगा। इससे समय और ईंधन दोनों का खर्च बढ़ेगा।दूसरी तरफ यात्रियों के सामने भी समस्या है। शहर के अलग-अलग हिस्सों से कुमेड़ी पहुंचने के लिए सीधे और पर्याप्त सार्वजनिक परिवहन उपलब्ध नहीं है दरअसल में पांच बार टेंडर के बाद संचालन एजेंसी तो तय हो गई, लेकिन बसों का संचालन शुरू कराने के लिए जरूरी व्यवस्थाओं का तालमेल अब भी चुनौती बना हुआ है। जानकारों का कहना है कि करोड़ों रुपए खर्च कर बनाए गए इस टर्मिनल को शुरू करने के पहले बस ऑपरेटरों की जरूरतों और यात्रियों की सुविधा का पूरा आकलन किया जाना जरूरी था। यह किया जाता तो प्राधिकरण द्वारा 100 करोड़ खर्च करके बनाया गया। बस टर्मिनल सफेद हाथी साबित नहीं होता।

हम बसे चलाने को तैयार हैं -गुप्ता- बस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अरुण गुप्ता के अनुसार हम बस चलाने को तैयार है। कुछ मसलों के लेकर चर्चा की जाना है। त्यौहार की वजह मामला रुक गया था।

जल्द ही बसो का संचालन शुरू होगाट्ठ आरटीओ शर्मा- आटीओ प्रदीप शर्मा का कहना है कि आईएसबीटी से बसों का संचालन जल्द शुरू होगा। जो भी समस्या है, उसको लेकर एजेंसी ओर बस ऑपरेटर की बैठक बुलाई जा रही है।

स्वच्छता सर्वेक्षण: इंदौर का जलवा बरकरार, अब देपालपुर को भी बनाया स्वच्छ

आज राष्ट्रपति के हाथों दिल्ली में मिलेगा सम्मान

इन्दौर। स्वच्छता के मामले में देशभर में अपनी अलग पहचान बनाने वाले इंदौर ने अपने खाते में बड़ी कामयाबी दर्ज की है। स्वच्छता के मामले में 8 बार अव्वल रहने वाला इंदौर इस बार दूसरे शहर को स्वच्छ बनाने की परीक्षा में भी सफल रहा है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 में इंदौर और देपालपुर की जोड़ी को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। आज दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित भव्य और गरिमामय समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किया जाएगा। पुरुस्कार लेने के लिए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर पुष्यमित्र भार्गव और निगमायुक्त क्षितिज सिंघल सहित 21 सदस्यीय टीम मंगलवार को दिल्ली पहुंच गई है। गौरतलब है कि इस बार स्वच्छ सर्वेक्षण में इंदौर को सुपर स्वच्छ लीग में शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वच्छ शहर जोड़ी पहल के तहत इंदौर को देपालपुर का मेंटर बनाया गया था। इंदौर की जिम्मेदारी केवल अपनी सफाई व्यवस्था को बेहतर बनाए रखने की नहीं थी, बल्कि देपालपुर की स्वच्छता व्यवस्था में भी सुधार लाना था।

1710वीं रैंक से राष्ट्रीय सम्मान तक पहुंचा देपालपुर- इंदौर के जोड़ीदार देपालपुर के लिए यह कामयाबी इसलिए भी अहम है क्योंकि पिछले सर्वेक्षण में उसे देश के 2030 शहरों में 1710वीं रैंक मिली थी। वहीं प्रदेश के शहरों की तुलना में भी उसकी स्थिति काफी पीछे थी। इंदौर नगर निगम ने देपालपुर की स्वच्छता व्यवस्था सुधारने के लिए तकनीकी मार्गदर्शन, सफाई संसाधन और मैदानी स्तर पर सहयोग दिया। अब देपालपुर 20 हजार आबादी वाले शहरों की श्रेणी में पहला स्थान हासिल कर राष्ट्रीय सम्मान के लिए चुना गया है।

1250 टन पुराने कचरे का निपटान- देपालपुर की तस्वीर बदलने के लिए सबसे पहले पुराने कचरे के ढेर को हटाने पर काम किया गया। यहां वर्षों से जमा लगभग 1250 टन पुराने कचरे का निपटान किया गया।

इंदौर की युवती का वीडियो वायरल, बोली- बाहर वाले मत आओ, शहर को गंदा कर जाते हो

बाहर से आने वालों को अपने गांव में रहने की दी नसीहत, सोशल मीडिया पर छिड़ी बहस; किसी ने किया समर्थन तो किसी ने कहा- इंदौर को आगे बढ़ाने में बाहरी लोगों का भी योगदान

इंदौर। दीपावली के बाद सोशल मीडिया पर इंदौर की एक युवती का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें वह बाहर से आकर शहर में रहने वाले लोगों पर इंदौर को गंदा करने और प्रदूषण बढ़ाने का आरोप लगाते हुए उन्हें अपने गांव में ही रहने की नसीहत दे रही है। युवती के इस बयान ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है। वायरल वीडियो में युवती कह रही है कि गाइज, बाहर के लोग नहीं हैं तो इंदौर में कितनी शांति है। तुम लोग मत आया करो, अपने-अपने गांव में ही रहा करो। यहां आकर इतने गड्ढे कर जाते हो, इतनी धूल-मिट्टी और प्रदूषण फैलाते हो। अपने घर पर ही रहो, यहां आने की जरूरत नहीं है। अभी देखो इंदौर की सड़कें कितनी खाली और चमचमाती हुई नजर आ रही हैं। ट्रैफिक भी नहीं है। तुम लोग फिर आओगे तो दोबारा जाम लगने लगेगा। पता नहीं कहां-कहां से लोग इंदौर को गंदा करने आ जाते हैं।



सोशल मीडिया पर दो पक्षों में बंटी राय- वीडियो वायरल होने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स दो पक्षों में बंट गए हैं। एक पक्ष युवती की बात का समर्थन कर रहा है। उनका कहना है कि त्योहारों के दौरान जब बड़ी संख्या में लोग अपने गांव चले जाते हैं तो शहर की सड़कें खाली नजर आती हैं और ट्रैफिक का दबाव भी कम हो जाता है। वहीं, दूसरे पक्ष ने युवती के बयान पर नाराजगी जताते हुए कहा कि इंदौर को आर्थिक राजधानी, शिक्षा का केंद्र और स्वच्छता में देश का नंबर वन शहर बनाने में बाहर से आए लोगों का भी बड़ा योगदान है। रोजगार, व्यापार और शिक्षा के लिए दूसरे शहरों और राज्यों से आए लोगों ने इंदौर के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

स्वच्छता की जिम्मेदारी सभी की- इस पूरे विवाद के बीच एक सवाल यह भी उठ रहा है कि शहर को स्वच्छ और व्यवस्थित रखना क्या केवल बाहर से आने वाले लोगों की जिम्मेदारी है? इंदौर की पहचान सबको अपनाने और अतिथि देवो भव की परंपरा से रही है। शहर में रहने वाला हर नागरिक इसकी स्वच्छता और व्यवस्था के लिए समान रूप से जिम्मेदार है। ऐसे में किसी एक वर्ग को शहर की अव्यवस्थाओं के लिए जिम्मेदार ठहराने के बजाय सामूहिक जिम्मेदारी और नागरिक अनुशासन पर जोर देने की जरूरत है।

बिरसा मुंडा जयंती पर प्रदेश में 3 बड़े आयोजन

सीएम यादव बोले- कांग्रेस ने आदिवासियों को सिर्फ दिवस दिए, हमने मान दिया



भोपाल (नप्र)। भोपाल में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती यानी जनजातीय गौरव दिवस पर मध्यप्रदेश में 14 से 16 नवंबर तक तीन बड़े राज्यस्तरीय आयोजन होंगे। 14 नवंबर को जबलपुर से कार्यक्रमों की शुरुआत होगी। 15 नवंबर को धार में मुख्य आयोजन के दौरान डही में नर्मदा जल से जुड़ी करीब 2500 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा।

इससे धार और अलीराजपुर के 300 गांवों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। 16 नवंबर को खंडवा में राज्यस्तरीय कार्यक्रम के साथ तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को प्रदेश भाजपा कार्यालय में आयोजित संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी जानकारी दी।

इस दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल, कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके और भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज टेकाम भी मौजूद रहे।

सीएम बोले- कांग्रेस ने आदिवासियों को सिर्फ दिवस में बांधा- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा की मूल सोच में बड़ा अंतर है। उनके मुताबिक, कांग्रेस ने जनजातीय समाज को सिर्फ एक तारीख और 'आदिवासी दिवस' के दायरे में सीमित रखा, जबकि भाजपा जननायकों को उनके नाम, जन्म जयंती और बलिदान दिवस के गौरव के साथ समाज के सामने ला रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश का भौगोलिक दायरा बड़ा होने के कारण जनजातीय गौरव दिवस का उल्लास तीन अलग-अलग अंचलों में मनाया जाएगा।

सरकार और भाजपा संगठन मिलकर 20 नवंबर तक प्रदेशभर में कार्यक्रम करेंगे। प्रदेश के सभी 89 जनजातीय विकासखंडों के अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों और छात्रावासों में विशेष गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इनके माध्यम से छात्र-छात्राओं और नई पीढ़ी को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन संघर्ष, पराक्रम और अंग्रेजों के खिलाफ किए गए आंदोलन की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ टंट्या मामा, राजा शंकर शाह और रघुनाथ शाह के बलिदान की गाथाएं भी बताई जाएंगी।

14 से 16 नवंबर तक तीन शहरों में आयोजन

14 नवंबर, जबलपुर: तीन दिवसीय राज्यस्तरीय कार्यक्रम की शुरुआत जबलपुर से होगी। इसे गोंडवाना साम्राज्य का केंद्र और वीरांगना रानी दुर्गावती की राजधानी के रूप में भी जाना जाता है।

15 नवंबर, धार: भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के मुख्य दिन धार में राज्यस्तरीय आयोजन होगा। डही में नर्मदा जल से जुड़ी करीब 2500 करोड़ रुपए की सिंचाई परियोजना का लोकार्पण किया जाएगा। इससे धार और अलीराजपुर के 300 गांवों को सिंचाई सुविधा मिलेगी। इस दौरान रोड शो भी निकाला जाएगा।

16 नवंबर, खंडवा: तीसरे दिन निमाड़ अंचल के खंडवा में राज्यस्तरीय कार्यक्रम आयोजित होगा। इसके साथ तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा।

12 से 20 नवंबर तक भाजपा एसटी मोर्चा के कार्यक्रम

भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा ने भी 12 से 20 नवंबर तक अलग-अलग कार्यक्रम तय किए हैं।

- **12-13 नवंबर:** जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों और महामंत्रियों की तैयारी बैठकें होंगी।
- **14 नवंबर:** प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के दो प्रमुख स्थानों पर जनजातीय महानायकों की प्रतिमाओं और देवस्थानों पर स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। दीप प्रज्ज्वलन और लोक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे।
- **15 नवंबर:** प्रदेश और जिला स्तर पर भगवान बिरसा मुंडा जयंती के मुख्य समारोह आयोजित किए जाएंगे।
- **16-17 नवंबर:** जनजातीय छात्रावासों में जाकर युवाओं और विद्यार्थियों से संवाद किया जाएगा।
- **18-20 नवंबर:** पूर्व और वर्तमान विधायक, सांसद तथा प्रदेश पदाधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में जनजाति गौरव चौपाल लगाएंगे।

जननायकों के नाम पर संस्थान और सार्वजनिक स्थल

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बनने के बाद से जनजातीय नायकों को सम्मान देने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। रानी दुर्गावती की 500वीं जयंती पर जबलपुर में और उनकी ऐतिहासिक राजधानी सिंग्रामपुर में कैबिनेट बैठक आयोजित की गई थी। इसके अलावा राजा भभूत सिंह की स्मृति में पचमढ़ी में भी विशेष कैबिनेट बैठक हुई थी।

खरगोन की यूनिवर्सिटी का नाम क्रांतिसूर्य टंट्या मामा और मंडला मेडिकल कॉलेज का नाम राजा शंकर शाह-रघुनाथ शाह के नाम पर रखा गया है। जनजातीय किसानों के लिए रानी दुर्गावती के नाम से 'श्रीअन्न कोदो-कुटकी उपार्जन योजना' शुरू की गई है। इसमें अलग से बोनस का प्रावधान किया गया है।

दक्षिणी महासागर के भारतीय इलाके में ऑक्सीजन लेवल बढ़ा

- 30 साल से बदलाव हो रहा, समुद्री वनस्पतियों और जीवों के लिए फायदेमंद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के महासागरों में ग्लोबल वार्मिंग से ऑक्सीजन घट रही है, लेकिन दक्षिणी महासागर के भारतीय क्षेत्रों में नया बदलाव मिला है, जो कि अच्छा संकेत है। गोवा के राष्ट्रीय ध्रुवीय एवं महासागर अनुसंधान केंद्र (एनसीपीओआर) के अध्ययन के मुताबिक, 1993 से 2025 के बीच यहां पानी में घुली ऑक्सीजन बढ़ी है। सबसे ज्यादा बदलाव 300 से 2,000 मीटर की गहराई पर मिला। अंटार्कटिक क्षेत्र में ऑक्सीजन सालाना प्रति किलोग्राम पानी में 2.37 माइक्रोमोल और ध्रुवीय क्षेत्र में 1.41 माइक्रोमोल बढ़ी। 2,000 से 5,000 मीटर गहराई पर भी बढ़ोतरी के संकेत मिले। वैज्ञानिकों के मुताबिक, तापमान और खारापन बढ़ने से पानी की परतों का अंतर कम हुआ और सतह का ऑक्सीजनयुक्त पानी गहराई तक बेहतर ढंग से मिलने लगा।



बोहरा समाज के धर्मगुरु से मिले सीएम मोहन यादव

- दीवाली की दी शुभकामनाएं, कहा-देशभक्त समाज है यह
- प्रदेश में चल रहे जनकल्याणकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

भोपाल। सीएम मोहन यादव ने उज्जैन में बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन से मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान बोहरा समाज के धर्मगुरु ने सीएम मोहन यादव को दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही प्रदेश में सुख-समृद्धि और कल्याण की कामना की है। मुलाकात के दौरान दोनों के बीच कई अहम मुद्दों पर चर्चा हुई है। प्रदेश में संचालित विभिन्न विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनके साथ चर्चा की गई है। बातचीत के दौरान बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ सैयदना ने सिंहस्थ 2028 को लेकर उज्जैन में किए जा रहे समग्र विकास कार्यों और प्रयासों की तारीफ की है। सीएम मोहन यादव ने कहा कि मैं बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन से मिला। उन्होंने मुझे दीपावली की शुभकामनाएं दीं और मैंने भी उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। बोहरा समाज शांतिप्रिय,व्यापारिक गतिविधियों में अग्रणी और देशभक्त समाज है।



देश के विकास में बोहरा समाज का अहम योगदान

यादव ने कहा कि देश के विकास में इस समाज का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और आगे भी यह योगदान निरंतर बना रहेगा। हमारा देश सर्वधर्म सद्भाव की भावना में विश्वास रखने वाला देश है, जो सभी धर्मों और समाजों को साथ लेकर चलता है। मेरी ओर से बोहरा समाज के धर्मगुरु डॉ. सैयदना मुफद्दल सैफुद्दीन का अभिनंदन है। गौरतलब है कि सीएम मोहन यादव सिंहस्थ के कार्यों को लेकर लगातार उज्जैन में ऐक्टिव रहते हैं। उन्होंने दिवाली के मौके पर भी शहर में निकलकर लोगों से मुलाकात की थी। साथ ही उन्हें दिवाली की शुभकामनाएं दी थी। सीएम ने इस मौके पर बोहरा समाज की जमकर तारीफ की।

नन्हें हाथों से आकार ले रही मिट्टी, खेल-खेल में प्रकृति का महत्व सीख रहे आंगनवाड़ी के बच्चे

जबलपुर के आंगनवाड़ी केंद्रों में 'माटी अनमोल' नवाचार से निखर रही बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा

भोपाल (नप्र)। कहीं नन्हें हाथ मिट्टी से हाथी-घोड़े बना रहे हैं, तो कहीं छोटी-छोटी मटकियां, दीये और मनपसंद आकृतियां आकार ले रही हैं। मिट्टी को गूंथते, उसे आकार देते और प्राकृतिक रंगों से सजाते हुए बच्चे न केवल अपनी कल्पनाओं को साकार कर रहे हैं, बल्कि खेल-खेल में प्रकृति और मिट्टी का महत्व भी समझ रहे हैं। जबलपुर जिले के आंगनवाड़ी केंद्रों में 'प्रकृति से जोड़ो' अभियान के अंतर्गत संचालित 'माटी अनमोल' नवाचार बच्चों के लिए आनंद और अनुभव से सीखने का माध्यम बन रहा है। इस पहल के अंतर्गत प्रत्येक गुरुवार को बच्चे मिट्टी से विभिन्न खिलौने और कलात्मक वस्तुएं बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा को निखार रहे हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल एवं शिक्षा (ईसीसीई) गतिविधियों के अंतर्गत संचालित इस नवाचार का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति के करीब लाना और उन्हें मिट्टी के महत्व से परिचित कराना है। मिट्टी को छूने, गूंथने और अलग-अलग आकृतियों में ढालने की गतिविधियों से बच्चों की कल्पनाशक्ति, एकाग्रता, सूक्ष्म शारीरिक कौशल और हाथों व आंखों के समन्वय को बढ़ावा मिल रहा है। रोचक गतिविधियों से आंगनवाड़ी केंद्रों के प्रति बच्चों का आकर्षण बढ़ाने और उनकी नियमित उपस्थिति को प्रोत्साहित करने में भी मदद मिल रही है।

'माटी अनमोल' गतिविधि में आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और सहायिकाएं बच्चों को स्वच्छ एवं सुरक्षित मिट्टी उपलब्ध कराती हैं। बच्चे अपनी रुचि के अनुसार मिट्टी से खिलौने, बर्तन, पशु-पक्षी और विभिन्न आकृतियां बनाते हैं। इन्हें धूप में सुखाने के बाद गेरू, पीली मिट्टी तथा अन्य उपयुक्त प्राकृतिक रंगों से सजाया जाता है। इस दौरान बच्चों को सरल और रोचक तरीके से बताया जाता है कि मिट्टी में पेड़-पौधे उगते हैं, इससे अन्न मिलता है और मिट्टी से घड़े, दीये तथा अनेक उपयोगी वस्तुएं बनाई जाती हैं। इस प्रकार बच्चों में प्रकृति के प्रति लगाव के साथ पर्यावरण संरक्षण की समझ भी विकसित की जा रही है।

खेल के साथ सीखने और मिलकर काम करने की आदत- गतिविधियों के दौरान बच्चों को समूह में बैठाकर उनकी पसंद की आकृतियां बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। बच्चे एक-दूसरे की बनाई वस्तुओं को देखते हैं और अपने अनुभव साझा करते हैं। इससे उनमें आपसी सहयोग, संवाद, आत्मविश्वास और सामूहिक सहभागिता की भावना विकसित हो रही है। स्वयं के हाथों से तैयार खिलौने बच्चों को सृजन का आनंद देने के साथ उनकी प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का अवसर भी प्रदान कर रहे हैं।

गतिविधियों में स्वच्छता और सुरक्षा का विशेष ध्यान रखा जाता है। मिट्टी को बारीक छानकर उसमें कंकड़, कांच और अन्य हानिकारक वस्तुएं नहीं होने की पुष्टि की जाती है। बच्चों के नाखून साफ रखने, मिट्टी मुंह में नहीं डालने तथा गतिविधि के बाद साबुन से अच्छी तरह हाथ धुलवाने पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

शिवराज सरकार में था 'तबादला उद्योग'... मोहन सरकार में 'तबादला फैक्ट्री'

पटवारी ने सीएम को पत्र लिखा ; बोले- आईएएस और आईपीएस का 2 साल फिक्स कार्यकाल हो



भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में लगातार हो रहे प्रशासनिक फेरबदल और शराब माफिया के मुद्दे पर कांग्रेस ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोला है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने सीएम डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि प्रदेश में भाजपा की सरकारें तो बदलती हैं, लेकिन तबादलों की सियासत नहीं बदलती।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के समय तबादला उद्योग चलता था, लेकिन अब मोहन सरकार में बाकायदा तबादला फैक्ट्री खुल गई है। पटवारी ने प्रशासनिक स्थिरता के लिए मांग की है कि कलेक्टर, एसपी और प्रमुख विभागीय पदों पर पदस्थ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों का सामान्य परिस्थितियों में कम से कम दो साल का कार्यकाल तय किया जाए। समय से पहले होने वाले तबादलों के लिखित कारण सार्वजनिक किए जाएं और केवल नेताओं की नाराजगी या राजनीतिक दबाव के चलते तबादले न हों। इसके अलावा उन्होंने सरकार से हर साल तबादलों पर श्वेतपत्र जारी करने और बार-बार अधिकारियों के बदले जाने से विभागों की कार्यक्षमता पर पड़े असर का स्वतंत्र मूल्यांकन कराने की मांग भी की है।

20 महीने में 325 से ज्यादा आईएएस के तबादले का दावा

पत्र में आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए पटवारी ने बताया कि दिसंबर 2023 से जुलाई 2025 के बीच केवल 20 महीनों में 325 से ज्यादा आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए। यानी हर दो दिन में एक आईएएस अधिकारी की जिम्मेदारी बदली गई। यह सिलसिला यहीं नहीं थमा। पटवारी के मुताबिक, 23 जुलाई 2026 के बाद 36 आईएएस अधिकारियों के तबादले किए गए, जबकि पिछले तीन महीनों में करीब दो दर्जन जिलों के कलेक्टर और एक दर्जन जिलों के एसपी बदले जा चुके हैं। मई 2026 में ही 62 आईपीएस अधिकारियों का फेरबदल हुआ था। पटवारी ने सवाल किया कि क्या ढाई महीने में कोई कलेक्टर जिले की व्यवस्था सुधार सकता है या छह महीने में कोई एसपी अपराध और कानून-व्यवस्था में स्थायी बदलाव ला सकता है?

कूनो के डायरेक्टर का भी किया जिक्र

पटवारी ने कूनो नेशनल पार्क के फील्ड डायरेक्टर आईएफएस बी. उत्तम कुमार शर्मा के अनुभव का जिक्र करते हुए कहा कि एक-दो साल तो अधिकारी को केवल जमीनी व्यवस्था समझने में लग जाते हैं। ऐसे में समय से पहले तबादले होने से योजनाओं का क्रियान्वयन ठप हो जाता है और इसका सीधा नुकसान जनता को उठाना पड़ता है।

शराब माफिया के बहाने सरकार को घेरा

प्रशासनिक फेरबदल के साथ-साथ पटवारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शराब माफिया के बढ़ते नेटवर्क को लेकर भी राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि गुजरात सीमा से सटे बड़वानी, झाबुआ और धार जिलों में अवैध शराब तस्करी के 163 प्रकरण दर्ज हुए, लेकिन आबकारी विभाग की पूरी कार्रवाई सिर्फ ड्राइवर और क्लीनर को पकड़ने तक सिमटकर रह गई। पटवारी ने सवाल उठाया कि बोतलें ढोने वाले तो पकड़े जाते हैं, लेकिन शराब बनाने वाली फैक्ट्रियां, वेयरहाउस मालिक और तस्करी का मुख्य सिंडिकेट जांच के दायरे से बाहर क्यों है? उन्होंने कहा कि सरकार की बेबसी के चलते मामला हाईकोर्ट तक पहुंच चुका है। इस खुली मनमानी से प्रदेश को हर साल करोड़ों रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है। पटवारी ने मुख्यमंत्री से इस पूरे मामले में स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है।

सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्रों में नहीं बनेंगे मॉल-मल्टीप्लेक्स

मप्र में मिक्स्ड लैंड यूज लागू ; सरकार ने अलग-अलग रीजन के लिए तय किए भूमि उपयोग

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में अब 24 मीटर या उससे अधिक चौड़ी सड़क पर स्थित अनुमोदित आवासीय कॉलोनियों के भूखंडों में प्रतिबंधित गतिविधियों को छोड़कर अन्य अनुमत व्यावसायिक गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी। वहीं, सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स और आवासीय उपयोग पर रोक रहेगी।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्यप्रदेश भूमि विकास नियम, 2012 के नियम 37 में संशोधन कर अलग-अलग भूमि उपयोग क्षेत्रों के लिए गतिविधियों की अनुमति और प्रतिबंध तय किए हैं। यह संशोधन 5 नवंबर को जारी किया गया है।

मिश्रित उपयोग की भी अनुमति- संशोधित नियमों के तहत भूमि और भवनों का मिश्रित उपयोग किया जा सकेगा। यह व्यवस्था क्षैतिज (हॉरिजॉन्टल) और ऊर्ध्वाधर (वर्टिकल), दोनों तरह से लागू होगी। हालांकि संबंधित भूमि उपयोग क्षेत्र के लिए तय प्रतिबंधित गतिविधियों का पालन करना अनिवार्य होगा।

नए नियमों के अनुसार हर भूमि उपयोग क्षेत्र में सामान्य तौर पर गतिविधियां अनुमत मानी जाएंगी, लेकिन संबंधित क्षेत्र की प्रतिबंधित सूची में शामिल गतिविधियां नहीं की जा सकेंगी। आवासीय, वाणिज्यिक, औद्योगिक, सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक, सार्वजनिक उपयोगिता, यातायात



एवं परिवहन, मिश्रित तथा मनोरंजन एवं हरित क्षेत्रों के लिए अलग-अलग प्रतिबंध तय किए गए हैं।

आवासीय क्षेत्रों में ये गतिविधियां प्रतिबंधित- आवासीय क्षेत्रों में हथियार और गोला-बारूद का भंडारण, डामर मिश्रण प्लांट, ईंट भट्ठे, श्मशान एवं कब्रिस्तान, कांक्रीट बैचिंग प्लांट, डेयरी और कुक्कुट पालन उद्योग, ई-वेस्ट प्रसंस्करण, विस्फोटक एवं पटाखा निर्माण, गैस गोदाम, भारी विनिर्माण उद्योग, खनन, स्टोन क्रशर और कबाड़ भंडारण पर रोक रहेगी। इसके अलावा वेधशाला, पेट्रोल और ज्वलनशील पदार्थों का भंडारण, प्रदूषणकारी उद्योग, परिवहन एवं ट्रक टर्मिनल और थोक व्यापार जैसी गतिविधियां भी प्रतिबंधित रहेंगी।

वाणिज्यिक और औद्योगिक क्षेत्रों के लिए अलग नियम- वाणिज्यिक क्षेत्रों में भारी उद्योग, खतरनाक रसायनों का भंडारण, विस्फोटक निर्माण, खनन, कबाड़ यार्ड, वेधशाला, रेडीमिक्स कंक्रीट प्लांट और ठोस अपशिष्ट लैंडफिल प्रतिबंधित रहेंगे। इसके अलावा आवासीय क्षेत्रों के लिए प्रतिबंधित गतिविधियां भी यहां नहीं की जा सकेंगी।

औद्योगिक क्षेत्रों में अनुमति वाले स्टाफ आवास को छोड़कर आवासीय उपयोग, स्कूल-कॉलेज, संक्रामक रोगों के अस्पताल, तेल भंडारण डिपो, सुअर पालन, कारागार, गोदाम, थोक भंडार, धरोहर संरक्षण गतिविधियां और पर्यावरणीय संवेदनशील उपयोग सहित निर्धारित गतिविधियां प्रतिबंधित रहेंगी।

सार्वजनिक और परिवहन क्षेत्रों में भी रोक

सार्वजनिक एवं अर्द्धसार्वजनिक क्षेत्रों में भारी औद्योगिक गतिविधियों, खनन, तेल डिपो, रेडियोधर्मी पदार्थों के भंडारण और प्रदूषणकारी उद्योगों पर प्रतिबंध रहेगा। सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्रों में शॉपिंग मॉल, मल्टीप्लेक्स, भारी विनिर्माण उद्योग और आवासीय उपयोग की अनुमति नहीं होगी। इसी तरह यातायात एवं परिवहन क्षेत्र में आवासीय गतिविधियां, स्कूल-कॉलेज, अस्पताल, वाणिज्यिक गतिविधियां, खनन और ठोस अपशिष्ट लैंडफिल प्रतिबंधित रहेंगे।

कृषि और हरित क्षेत्रों में भी तय होंगी सीमाएं

कृषि भूमि उपयोग क्षेत्र में वाणिज्यिक गतिविधियां, भारी उद्योग, आवासीय उपयोग, शॉपिंग मॉल और प्रदूषणकारी उद्योग प्रतिबंधित रहेंगे। मनोरंजन एवं हरित क्षेत्र में भी निर्धारित सूची के अनुसार ही भूमि उपयोग की अनुमति होगी।

24 मीटर सड़क पर विशेष प्रावधान

संशोधित नियमों में आवासीय भूमि उपयोग क्षेत्र के लिए विशेष प्रावधान किया गया है। इसके तहत अनुमोदित आवासीय कॉलोनियों के मुख्य मार्ग पर स्थित उन भूखंडों में प्रतिबंधित गतिविधियों को छोड़कर अन्य अनुमति आधारित गतिविधियां संचालित की जा सकेंगी।



फिल्म चुनते समय अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हूं

अभिनेत्री अदिति राव हैदरी ने अपनी आगामी फिल्म 'पारिवारिक मनोरंजन' के रिलीज से पहले कहा है कि किसी फिल्म या किरदार का चुनाव करते समय वह अपने अंदर के बच्चे की बात सुनती हैं। फिल्म के प्रचार के दौरान मुंबई में अपने सह-कलाकार पंकज त्रिपाठी के साथ बातचीत में अदिति ने कहा कि उन्हें इस फिल्म की कहानी बेहद प्यारी लगी। उन्होंने कहा, मुझे यह एक साधारण जिंदगी से जुड़ी कहानी वाली फिल्म लगी। इसके साथ जुड़े लोग भी ऐसे थे, जिनके साथ काम करने का मौका मुझे आम तौर पर नहीं मिलता। यही सब बातें थीं, जिन्होंने मुझे यह फिल्म करने के लिए प्रेरित किया। अदिति ने कहा कि एक अभिनेता के तौर पर अलग तरह की दुनिया और किरदार में काम करना हमेशा मजेदार होता है। उन्होंने कहा, 'इस फिल्म में एक हल्कापन था, जो मुझे बहुत पसंद आया। मैं बस इसे करना चाहती थी। मैंने इसके बारे में ज्यादा नहीं सोचा। मेरे भीतर एक उत्साह और सहज भावना थी। मैं अपने अंदर के बच्चे की सुनती हूं। अगर किसी चीज को लेकर मैं उत्साहित होती हूं, तो मेरे लिए उस सफर का महत्व सबसे ज्यादा होता है क्योंकि परिणाम मेरे हाथ में नहीं होता।' उन्होंने कहा, 'अगर यात्रा मजेदार हो, उसमें रोमांच हो, सीखने का अवसर हो और अच्छे लोग साथ हों, तो वही सबसे महत्वपूर्ण होता है। आखिरकार वही अनुभव आपके साथ हमेशा रहता है।' गौरतलब है कि 'पारिवारिक मनोरंजन' 13 नवंबर 2026 को सोनी लिव पर रिलीज होगी।

ओमः चैप्टर 1 में आईपीएस अफसर बनेंगी साई पल्लवी

निर्देशक राजकुमार पेरियासामी की आगामी पैन-इंडियन एक्शन-थ्रिलर फिल्म 'ओमः चैप्टर 1- उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी आईपीएस अफसर के किरदार में नजर आएंगी। अभिनेत्री का कहना है कि इस किरदार को निभाने के लिए उनसे ज्यादा निर्देशक को उन पर ज्यादा भरोसा था। शुक्रवार को साईराम इंजीनियरिंग कॉलेज में हुए फिल्म के ग्रैंड ऑडियो लॉन्च इवेंट में हिस्सा लेते हुए साई पल्लवी ने कहा, 'राजकुमार पेरियासामी कमाल के निर्देशक हैं। मैंने उन्हें पिछली फिल्म में ही कह दिया था कि मैं उनकी अगली फिल्म का हिस्सा बनना चाहती हूं लेकिन उन्होंने मेरी बात को सीरियस लिया और यह फिल्म बनाई। मेरे पुलिसवाले रोल पर उन्हें मुझसे भी ज्यादा भरोसा था। स्टंट सीक्वेंस पर काम करने वाले सभी लोगों का शुक्रिया, उनके साथ काम करना एक शानदार अनुभव था। राजकुमार सर ने इस किरदार को कई परतों के साथ लिखा है। वो हर एक्ट्रेस के ड्रीम डायरेक्टर हैं, जिस तरह से वो महिलाओं के किरदार लिखते हैं, वो कमाल है।' अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पिछली फिल्म 'अमरन' में उनके किरदार को पूरे समय 'ममूटी' कहकर पुकारा जाता था और अब उन्हें उसी मलयालम सुपरस्टार के साथ काम करने का मौका मिला है। उन्होंने कहा, 'पिछली फिल्म में ममूटी-ममूटी कहकर अब ममूटी सर के साथ। पता नहीं क्या मैंने इसे मैनिफेस्ट कर लिया था।' फिल्म 'ओमः चैप्टर 1 - उधिराम : द ब्लड वुड' में अभिनेत्री साई पल्लवी एक कड़क और शक्तिशाली पुलिस अधिकारी नित्या रेड्डी (आईपीएस/सीबीआई अधिकारी) की भूमिका निभा रही हैं। यह फिल्म लाल चंदन की अवैध तस्करी के इर्द-गिर्द घूमती है। नित्या रेड्डी इसी तस्करी के नेटवर्क की जांच करने के लिए 'ऑपरेशन ओम' के तहत मैदान में उतरती हैं। उनकी जांच के पीछे एक व्यक्तिगत नुकसान की वजह जुड़ी है, जो उन्हें न्याय पाने के लिए प्रेरित करती है।



ग्रामीणों ने की आंगनवाड़ी शुरू कराने या भवन हटाने की मांग, शिकायतों के बावजूद नहीं हुई सुनवाई

8 साल से बंद पड़ी आंगनवाड़ी बनी मुसीबत, आवारा जानवरों और जहरीले जीव-जंतुओं का डेरा

पुनीत सेन

खंडवा। ग्राम खारकलां में करीब 8 वर्षों से बंद पड़ी आंगनवाड़ी अब आसपास रहने वाले मोहल्लेवासियों के लिए परेशानी का कारण बन गई है। देखरेख के अभाव में आंगनवाड़ी परिसर में आवारा जानवरों और जहरीले जीव-जंतुओं का बसेरा हो गया है। इससे आसपास रहने वाले लोगों में डर का माहौल बना हुआ है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि पिछले करीब 8 साल से आंगनवाड़ी बंद पड़ी है। यहां न तो बच्चों के लिए कोई गतिविधि संचालित होती है और न ही किसी प्रकार का कामकाज होता है। लंबे समय





से बंद पड़े भवन की साफ-सफाई और देखरेख नहीं होने के कारण परिसर में आवारा जानवरों के साथ जहरीले जीव-जंतुओं का जमावड़ा लगा रहता है। इससे बच्चों और आसपास रहने वाले परिवारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है। ग्रामीणों के अनुसार, इस समस्या को लेकर कई बार ग्राम पंचायत के सचिव को अवगत कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। मोहल्लेवासियों का कहना है कि यदि आंगनवाड़ी का संचालन नहीं होना है तो इसे दोबारा शुरू कराया जाए या फिर नियमानुसार भवन को हटाया जाए, ताकि लोगों को इस समस्या से राहत मिल सके।

अब सवाल यह उठता है कि

आखिर करीब 8 वर्षों से बंद पड़ी आंगनवाड़ी की जिम्मेदारी किसकी है?

ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले में संज्ञान लेकर जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की है।

इंदौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

एमडी ड्रग्स का मुख्य सप्लायर रतलाम से गिरफ्तार, छत्रीपुरा पुलिस ने दबोचा

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। शहर में नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए चलाए जा रहे राज्यस्तरीय एंटी नारकोटिक्स अभियान के तहत छत्रीपुरा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने एमडी ड्रग्स के मुख्य सप्लायर को रतलाम से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना और तकनीकी जानकारी के आधार



पर रतलाम की संकरी गलियों में घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया। पुलिस के अनुसार, 6 नवंबर 2026 को गंगवाल बस स्टैंड पर वाहन चेकिंग के दौरान क्रेटा कार क्रमांक MP 09 CX 6625 से फिरोज और मोहम्मद अफजल को गिरफ्तार किया गया था। उनके कब्जे से 28.85 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुई थी। इस कार्रवाई में पुलिस ने कुल 11 लाख 90 हजार रुपये का मशरूका जब्त किया था। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने एमडी ड्रग्स के मुख्य सप्लायर नजर अहमद उर्फ हनी उर्फ लाला, निवासी नाहरपुरा, गांधी स्कूल के पास, मानक चौक, रतलाम का नाम बताया था। इसके बाद से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी। आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी अलग-अलग थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत एमडी ड्रग्स से जुड़े कई मामले दर्ज होना सामने आया है। पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मयंक अवस्थी के निर्देश पर डीसीपी जोन-4 नरेंद्र रावत के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। थाना प्रभारी संजीव श्रीवास्तव के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

इनकी रही अहम भूमिकाः कार्रवाई में उपनिरीक्षक पवन कुमार नरवरे, सहायक उपनिरीक्षक दीपेश गोराना, प्रधान आरक्षक धर्मेंद्र पाठक, आरक्षक धर्मेंद्र सिंह सोनगरा एवं भूपेंद्र की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रोशन रखना हैं तुम्हे जीवन अपना ये दीये,

जो दिये हैं तुमको रिश्तों ने,
रोशन रखना है इनसे तुम्हे जीवन अपना,
जरा अदब से उठाना इनको,
झटको में तेल छलक न जाये,

बाती थोड़ी सी भी हील न जाये,
मुलायम सी बाती बुझ न जाये,
इसे संभालकर सही जगह है जलाना,
रोशन रखना है इनसे तुम्हे जीवन अपना।
एक बार बाती जो बुझ जायेगी,
मुह पर भी कालिख पुत जायेगी,

फिर से जलाने में बहुत परेशानी आयेगी,
अदृश्य न हो जाये प्रेम का सपना,
रोशन रखना है इनसे,तुम्हे जीवन अपना।
औरों के रिश्तों को जलाकर,
खुश होते है जो लोग,

दीप से सीखे खुद को जलाकर
कैसे भगाते हैं जलन का रोग,
रखोगे ख्याल उनका,
नहीं भूलेंगे वे अनवरत जलना,
रोशन रखना है इनसे,तुम्हे जीवन अपना।
जिस जिस की जैसी भी होती हैं हैसियत,
कोई देता है सोना,कोई देता है रजत,
दिये जो दीये,

दीये का काम दीया करे,
प्रेम दीप से घर परिवार संसार है सजना।
रोशन रखना है इनसे,तुम्हे जीवन अपना।

शुभ दीपावली

विपिन जैन श्रीजैन

निर्वाज्य प्रेम की दैवीय सम्पदा को प्राप्त करने का सहज साधन है सहजयोग



प. पू श्रीमाताजी प्रणित सहजयोग ध्यान हमें अपने-आपसे प्रेम करना सिखाता है। इस ध्यान के माध्यम से हम यह जान जाते हैं कि, में एक शुद्ध आत्मतत्व हूँ। यह आत्मस्वरूप, निर्गुण, निराकार, परम-प्रेमास्पद और आनंद का खजाना है, परंतु हम सब मानव इस खजाने से अनजान योग हैं। परंतु सहज योग में जब साधक को आत्मसाक्षात्कार प्राप्त होता है तब वह इस देवी प्रेम को अनुभूत कर सकता है। अर्थात् यह देवी प्रेम भी उसी साधक को अनुभूत होता है जिसके हृदय में परमात्मा के प्रति, या खुद के आत्मस्वरूप के प्रति निमिषमात्र भी श्रद्धा हो। 'श्रद्धावान रहते ज्ञानम्' इस उक्ती के अनुसार साधक तत्क्षण इस दैवीय प्यार को पा सकता है और एक बार अगर उसने इस अमृत को चख लिया तो वह अपनी आध्यात्मिक यात्रा पर निकल पड़ता है। हर दिन के नियमित ध्यान से इस दैवी प्रेम में स्थित होता है।

प पू श्रीमाताजी के अमृतवचनानुसार यह मन की वह अवस्था है जिसे प्राप्त करना होता है। वहाँ आप किसी का न्याय नहीं करते, किसी का भी नहीं । आपको पता होता है कि कोई दोष है लेकिन आप उसे अपने प्रेम से ढंक देते हैं और उसे एक सुंदर मोती बना देते है। जैसे सूर्य का प्रकाश जो हर ओर फैलता है वह किसी का दोष नहीं देखता न ही पत्तों की गिनती करता है, वह केवल देता है, और देता ही रहता है। उसी प्रकार आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर हम सभी को उस अवस्था को प्राप्त करना चाहिए, जहा हम केवल देते रहें बिना किसी मैं की भावना के, बिना भौतिक विचार के और बिना उन निरर्थक स्थूल तरीकों के जिनसे लोग, जीवन को देखते हैं। अपने हृदय को पिघलने दीजिये प्रेम को बहने दीजिए और उसका आनंद लीजिए। यदि दूसरे आपसे क्रोधित हो जायें तो क्या हुआ यदि वे कुछ निरर्थक बात कहें तो क्या हुआ आप स्वयं के आनंद में स्थित हैं। यही वास्तविक प्रेम है। यह ऐसा प्रेम है जो आपको क्षमाभाव प्रदान करता है, आत्मविश्वास व आत्मसम्मान प्रदान करता है।शुद्ध इच्छा रखने वाले प्रत्येक साधक को यह निर्वाज्य प्रेम सहजयोग ध्यान के माध्यम से अत्यंत सहजता से प्राप्त हो सकता है।